कक्षा 10 हिंदी

गद्य साहित्य का विकास

(शुक्ल युग एवं शुक्लोत्तर युग)

शुक्ल युग

- **समय —सीमा —1920 से 1936 तक अथवा 1919-1938 तक**
- **शुक्लयुग के अन्य नाम**- छायावादी युग, प्रेमचन्द युग, प्रसाद युग

मुख्य लेखक एवं रचनाएँ

- **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**

☞ रचनाएँ — रसमीमांसा (आलोचना), त्रिवेणी (आलोचना), चिंतामणि (निबंध—संग्रह), विचारवीथी (निबंध—संग्रह), हिन्दी साहित्य का इतिहास (इतिहास—ग्रंथ), सूरदास (आलोचना)।

- **रायकृष्णदास**
  - **रचनाएँ** — साधना, छायापथ (गद्यगीत)
- **नन्ददुलारे वाजपेयी**
  - **रचनाएँ** — नया साहित्य नये प्रश्न, राष्ट्रभाषा की कुछ समस्याएँ (आलोचना)
- **हरिकृष्ण प्रेमी**
  - **रचनाएँ** — प्रतिशोध, रक्षाबन्धन, शिवासाधना, आहुति, स्वप्न—भंग, पाताल विजय (सभी नाटक हैं)
- **वृन्दावनलाल वर्मा**
  - **रचनाएँ** — मृगनयनी (उपन्यास), विराट की पद्मिनी (उपन्यास)
- **महादेवी वर्मा—**

☞ **रचनाएँ** — स्मृति की रेखाएँ (संस्मरण) अतीत के चलचित्र (रेखाचित्र), पथ के साथी (संस्मरण), श्रृंखला की कड़ियाँ (संस्मण)

➤ **रामकुमार वर्मा**

☞ **रचनाएँ** —दीपदान (एकांकी), रेशमीटाई (एकांकी)।

➤ **शुक्ल युग की प्रमुख पत्रिकाएँ —**

☞**'नागरी-प्रचारिणी पत्रिका'**— श्यामसुंदरदास

☞**हंस** — प्रेमचंद्र

☞ **साहित्य-सन्देश** —गुलाबराय

☞ **कर्मवीर**—माखनलाल चतुर्वेदी।

- **शुक्ल युग के प्रसिद्ध निबंधकार–** वियोगी हरि, शान्तिप्रिय द्विवेदी, बाबू गुलाबराय, चतुरसेन शास्त्री, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला, सियाराम शरण गुप्त, शिव पूजन सहाय, हरिभाउ उपाध्याय, राहुल सांकृत्यायन, जयशंकर प्रसाद।
- **शुक्ल युग के सभी नाटककार**– चतुरसेन शास्त्री, हरिकृष्ण प्रेमी, उदयशंकर भट्ट, रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रेमचन्द, सुदर्शन, पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र', रामदास गौड़, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', रामनरेश त्रिपाठी, सेठ गोविन्ददास, मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी।
- **शुक्ल युग के प्रमुख एकांकीकार**– लक्ष्मीनारायण मिश्र, हरिकृष्ण प्रेमी, रामकुमार वर्मा, सेठ गोविन्ददास, उदयशंकर भट्ट, गोविन्दवल्लभ पन्त व उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

- **शुक्ल युग के प्रमुख आलोचक**– समालोचना और इतिहास लेखन में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध हैं इनके पश्चात् आलोचना-क्षेत्र में नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथप्रसाद मिश्र, डॉ० नगेन्द्र और डॉ० रामविलास शर्मा।
- **इतिहास-लेखन के लिए**– डॉ० रामकुमार वर्मा, डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त, डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, डॉ० मोहन अवस्थी।

शुक्लोत्तर युग (प्रगतिवादी युग)

- **समय —सीमा 1936 से 1950 तक अथवा 1938-1947 तक**
- **शुक्लोत्तर युग के अन्य नाम**- छायावादोत्तर युग, प्रेमचन्दोत्तर युग, प्रसादोत्तर युग, प्रगतिवादी युग।
- **शुक्लोत्तर युग के अन्य नाम**- छायावादोत्तर युग, प्रेमचन्दोत्तर युग, प्रसादोत्तर युग, प्रगतिवादी युग।

मुख्य लेखक एवं रचनाएँ

- **हजारीप्रसाद द्विवेदी**

☞ **रचनाएँ** - अशोक के फूल (निबंध—संग्रह), बाणभट्ट की आत्मकथा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा (उपन्यास),

- रामधारीसिंह 'दिनकर'—संस्कृति के चार अध्याय. अर्द्धनारीश्वर (निबंध)
- **भगवतीचरण वर्मा**—चित्रलेखा, पतन, टेढ़े मेढ़े रास्ते (उपन्यास)
- **रांगेय राघव**— तूफानों के बीच (रिपोर्ताज)
- **विनयमोहन शर्मा**—साहित्यावलोकन (आलोचना) भूतनाथ।
- **लक्ष्मीनारायण मिश्र**—सिंदूर की होली।
- **रामवृक्ष बेनीपुरी**—गेंहू और गुलाब, माटी की मूरतें, पैरों में पंख बाँधकर, पतितों के देश में।
- **उपेन्द्रनाथ 'अश्क'**—गिरती दीवारें, जय पराजय, तौलिए (एकांकी)
- **फणीश्वरनाथ 'रेणु'**—मैला आँचल (उपन्यास)

शुक्लोत्तर युग की प्रमुख पत्रिकाएँ

- **विशाल भारत** —पं० श्रीराम शर्मा
- **आलोचना**—रामकुमार वर्मा
- **हरिजन सेवक**—वियोगी हरि
- **सम्मेलन**—वियोगी हरि
- **छाया**—पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी
- **हिंदी नवजीवन**– हरिभाऊ उपाध्याय।
- **चाँद**– महादेवी वर्मा

➢ **शुक्लोत्तर युग के लेखक–** आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, शान्तिप्रिय द्विवेदी, रामधारीसिंह 'दिनकर', यशपाल, उपेन्द्रनाथ 'अश्क', भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर, जैनेन्द्र, अज्ञेय, नगेन्द्र, रामवृक्ष बेनीपुरी, बनारसीदास चतुर्वेदी, वासुदेवशरण अग्रवाल, कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर', भगवतशरण उपाध्याय आदि लेखक हैं।

विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई, फणीश्वरनाथ 'रेणु', कुबेरनाथ राय, धर्मवीर भारती, शिवप्रसाद सिंह, डॉ० रामविलास शर्मा, शिवदानसिंह चौहान, प्रकाशचन्द्र गुप्त आदि उल्लेखनीय हैं।

➢ **शुक्लोत्तर युग के निबन्धकार–** आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी सर्वश्रेष्ठ निबन्धकार हैं।

- **यात्रा सम्बन्धी निबन्धकारों में**- राहुल सांकृत्यायन, प्रभाकर माचवे, कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर', धर्मवीर भारती, अज्ञेय, दिनकर देवेन्द्र सत्यार्थी तथा पं० बनारसीदास चतुर्वेदी का नाम संस्मरणात्मक निबन्धकारों में अग्रगण्य है।
- **शुक्लोत्तर युग के कहानीकार**- शुक्लोत्तर युग के कहानीकारों में अज्ञेय, जैनेन्द्रकुमार, इलाचन्द्र जोशी, यशपाल, उपेन्द्रनाथ अश्क, भगवतीचरण वर्मा, आचार्य चतुरसेन शास्त्री, विष्णु प्रभाकर, अमृतलाल नागर आदि हैं।
- **शुक्लोत्तर युग के उपन्यासकार**- शुक्लोत्तर युग के उपन्यास लेखक यशपाल, राहुल सांकृत्यायन, नागार्जुन, रांगेय राघव, उपेन्द्रनाथ, अश्क, धर्मवीर भारती, फणीश्वरनाथ 'रेणु' आदि।

- **शुक्लोत्तर युग के नाटककार**– लक्ष्मीनारायण लाल, उपेन्द्रनाथ अश्क, डॉ० रामकुमार वर्मा, धर्मवीर भारती, रामवृक्ष बेनीपुरी, रांगेय राघव तथा वृन्दावनलाल वर्मा नाटककार हैं।
- **शुक्लोत्तर युग के रेखाचित्र और संस्मरण-लेखक**– पद्मसिंह शर्मा, बनारसीदास चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी और कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' आदि।
- **शुक्लोत्तर युग के जीवनी और आत्मकथा लेखक**–

अमृत राय की 'कलम का सिपाही' और डॉ० रामविलास शर्मा की 'निराला की साहित्य-साधना' उत्कृष्ट कृतियाँ हैं। आत्मकथाओं में डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की आत्मकथा के बाद पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' की 'अपनी खबर' और बच्चन की 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' व 'नीड़ का निर्माण' आदि कृतियाँ लोकप्रिय हुई हैं।

स्वातन्त्र्योत्तर युग

- **समय —सीमा 1950 से आज तक**

मुख्य लेखक एवं रचनाएँ

- **अज्ञेय** —तार सप्तक, शेखरः एक जीवनी (उपन्यास), एक बूँद सहसा उछली (यात्रावृत्त), नदी के द्वीप (उपन्यास)
- **जैनेन्द्र**—प्रस्तुत प्रश्न, जड़ की बात, त्यागपत्र (उपन्यास)

- **अमृतलाल नागर**—बूँद और समुद्र, अमृत और विष
- **उषा प्रियंवदा**—वापसी (कहानी)
- **हरिवंशराय बच्चन**—क्या भूलूँ क्या याद करूँ नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपन तक (आत्मकथा के 4 भाग)
- **विद्यानिवास मिश्र**—तुम चंदन हम पानी।
- **विष्णु प्रभाकर**—आवारा मसीहा (जीवनी) (शरद चंद की जीवनी है।)
- **धर्मवीर भारती**—कनुप्रिया, ठण्डा लोहा, सात गीत वर्ष (काव्य), अन्धा युग, गुनाहों के देवता(उपन्यास)।
- **जयप्रकाश भारती**—अनन्त आकाश (आलोचना)
- **नागार्जुन**—बलचनामा (उपन्यास), बाबा बटेसरनाथ (उपन्यास)

- **मन्नू भण्डारी** —यही सच है। (उपन्यास)
- **कमलेश्वर**—कितने पाकिस्तान (उपन्यास)
- **भीष्म साहनी**—तमस (उपन्यास), चीफ की दावत (कहानी
- **मोहन राकेश**—आधे अधूरे, आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस
- **शिवानी**—लाटी (कहानी), अपराजिता।
- **डॉ० नगेन्द्र**—रस सिद्धान्त (आलोचना)